भोपाल में विश्व के जघन्यतम कार्पोरेट कत्लेआम की 35वीं बरसी पर प्रेस विज्ञप्ति

दिसम्बर 03, 2019

भोपाल में यूनियन कार्बाइड हादसे की 35 वीं बरसी पर आज पीड़ितों के चार संगठनों ने केंद्र तथा प्रदेश सरकारों पर हादसे के लिए ज़िम्मेदार कम्पनियों से साँठगाँठ करने और 35 सालों से पीड़ितों को इन्साफ और इज्ज़त की ज़िंदगी से वंचित रखने का आरोप लगाया | उन्होंने संयुक्त रूप से संयुक्त राष्ट्र संघ से भोपाल में जारी चिकित्सीय और पर्यावरणीय हादसे को ख़त्म करने के लिए मानवीय और तकनीकी मदद की अपील की |

"आज के दौर में हमारी केन्द्र तथा प्रदेश की सरकारों के सबसे बड़े ओहदों पर यूनियन कार्बाइड के मालिक डाव केमिकल के जाने माने समर्थक पदासीन हैं | 2015 में अपनी अमरीका यात्रा के दौरान हमारे प्रधानमंत्री, ने डाव केमिकल को भोपाल की अदालत में हाज़िर करने की कोशिश के बदले कम्पनी के सी० ई० ओ० को गले लगाया और उसे दावत पर बुलाया | मोदीजी के प्रधान मंत्री बनने के बाद से हिन्दुस्तान में डाव केमिकल के उत्पादों की बिक्री में गज़ब की बढ़ोत्तरी हुई है | 2006 में हमारे वर्त्तमान मुख्यमंत्री जो तब केंद्र में वाणिज्य और उद्योग मंत्री थे, ने तत्कालीन प्रधानमंत्री को चिट्ठी लिखकर देश में डाव केमिकल के द्वारा पूँजीनिवेश के लिए अनुकूल माहौल बनाने की पेशकश की थी |" कहा गैस पीड़ित महिला स्टेशनरी कर्मचारी संघ की अध्यक्षा रशीदा बी ने |

भोपाल गैस पीड़ित महिला पुरुष संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष नवाब खान ने कहा,"केंद्र तथा प्रदेश की सरकारें दोनों मिलकर अमरीकी कम्पनियों से अतिरिक्त मुआवजे के लिए सर्वोच्च न्यायालय में पेश की गई सुधार याचिका में हादसे की वजह से हुई मौतों और बीमारियों के गलत आंकड़े बताकर अदालत को गुमराह कर रहे हैं | दोनों सरकारें भोपाल में जारी मिट्टी और भूजल प्रदूषण के उस खतरे को छुपा रहे हैं. जो डाव केमिकल की कानूनी ज़िम्मेदारी है. और किसी सक्षम संस्था द्वारा प्रदूषित इलाके की वैज्ञानिक जाँच कराने से पीछे हट रहे हैं |"

"पिछले 35 सालों से हमारी सरकारें अपराधी कम्पनियों को गले लगाने में इस कदर व्यस्त रहे हैं कि उन्हें पीड़ितों की सुध लेने का समय ही नहीं मिला | आज तक गैस जनित बीमारियों के इलाज की सही विधि ढूंढी नहीं गई, ज़रूरतमंदों को रोज़गार और मासिक पेंशन देने का कोई असरदार कार्यक्रम नहीं बना और पीड़ितों को रहने का सुरक्षित वातावरण मुहैया नहीं कराया गया |" कहा भोपाल ग्रुप फॉर इन्फोर्मेशन एण्ड एक्शन की सदस्या रचना धींगरा ने |

डाव कार्बाइड के खिलाफ बच्चे की नौशीन खान ने कहा,"औद्योगिक प्रदूषण दुनिया भर में इन्सानी मौतों के पाँच प्रमुख वजहों में शामिल हो गया है और दुनियाभर में पर्यावरणीय बीमारीयाँ तेजी से बढ़ रही हैं |

भोपाल में जारी हादसा, रासायनिक ज़हरों की वजह से पूरी दुनिया की बिगडती स्थिति की एक ऐसी मिसाल है जिस के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ और खासकर विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) तथा संयुक्त राष्ट्र संघ के पर्यावरणीय कार्यक्रम (UNEP) को फौरी तौर पर तकनीकी और मानवीय मदद पहुंचानी चाहिए | हमारे द्वारा चुनी हुई सरकारों की असफलताओं के मद्देनज़र अब वक्त आ गया है कि दुनिया भोपाल में जारी हादसे की खबर ले |

रशीदा बी भोपाल गैस पीड़ित स्टेशनरी कर्मचारी संघ 9425688215	नवाब खाँ भोपालगैस पीड़ित महिला पुरुष संघर्ष मोर्चा 9165347881	रचना ढींगरा, सतीनाथ षडंगी भोपाल ग्रुप फॉर इन्फॉर्मेशन एंड एक्शन, 9826167369	नौशीन खान डाव-कार्बाइड के खिलाफ बच्चे 7987353953

अधिक जानकारी के लिए www.bhopal.net पर जाएँ |